समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Friday, 25 September 2026

श्रीधर वेम्बू का 'Arattai' ऐप बना चर्चा का केंद्र, आनंद महिंद्रा भी जुड़े देसी वॉट्सऐप से

Publisher

Published on 04 Oct 2025

भारत की टेक्नोलॉजी दुनिया में एक नया नाम तेजी से उभर रहा है और वह है **Arattai ऐप**। यह ऐप जोहो कॉर्प (Zoho Corp) ने लॉन्च किया है, जिसके संस्थापक श्रीधर वेम्बू लंबे समय से भारतीय टेक्नोलॉजी क्षेत्र में स्वदेशी नवाचार के प्रतीक माने जाते हैं। Arattai को लॉन्च हुए कुछ ही समय हुआ है, लेकिन इसने बाजार में धमाकेदार एंट्री की है। लोग इसे वॉट्सऐप का देसी विकल्प कह रहे हैं और अब इस ऐप को बड़ी मान्यता तब मिली जब देश के दिग्गज उद्योगपति **आनंद महिंद्रा** भी इससे जुड़ गए।

Arattai क्या है और इसमे क्या है खास ?

Arattai तमिल भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ है '**चर्चा करना**' **या** '**गपशप करना**'। यह नाम ही इस ऐप की पहचान कराता है कि इसका उद्देश्य लोगों को जोड़ना और संवाद को सहज बनाना है।

इस ऐप में सभी आधुनिक फीचर्स शामिल हैं जिनकी उम्मीद यूज़र्स एक मैसेजिंग प्लेटफॉर्म से करते हैं। जैसे:

- टेक्स्ट और मल्टीमीडिया मैसेजिंग
- वॉइस और वीडियो कॉलिंग
- ग्रुप चैट की सुविधा
- एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन से सुरक्षित बातचीत
- डॉक्यूमेंट और फाइल शेयरिंग
- लोकल भाषाओं का सपोर्ट

इससे सबसे बड़ी बात यह है कि यह ऐप पूरी तरह से भारत में विकसित किया गया है और इसके सर्वर भी देश में ही हैं। यही कारण

है कि इसे **डेटा प्राइवेसी और सुरक्षा** के लिहाज से भी बेहतर विकल्प बताया जा रहा है।

आनंद महिंद्रा का समर्थन

महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा अक्सर स्टार्टअप्स और स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं। जब उन्हें Arattai के बारे में पता चला और उन्होंने इसे इस्तेमाल किया, तो उन्होंने सार्वजनिक रूप से इसका समर्थन किया।

आनंद महिंद्रा का यह कदम ऐप के लिए एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि उनकी पहचान न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर एक प्रेरक उद्योगपति के रूप में होती है। उनका कहना है कि भारत को अब अपनी टेक्नोलॉजी क्षमता को आगे बढ़ाकर विश्व स्तर पर खड़ा करना होगा और Arattai जैसे ऐप इसका बेहतरीन उदाहरण हैं।

WhatsApp का देसी विकल्प

आज भारत में करोड़ों लोग वॉट्सऐप का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन वॉट्सऐप की पेरेंट कंपनी मेटा (Meta) को लेकर कई बार **डेटा प्राइवेसी, विदेशी नियंत्रण और उपयोगकर्ता जानकारी लीक होने** जैसे सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में Arattai को एक सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प के रूप में देखा जा रहा है।

श्रीधर वेम्बू का यह मानना है कि भारत जैसे बड़े बाजार को विदेशी ऐप्स पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना चाहिए। देश में ही तकनीक का विकास होना चाहिए और भारतीय यूज़र्स को अपने डेटा की सुरक्षा पर भरोसा होना चाहिए।

शुरुआती सफलता और बाजार मे प्रंतिक्रिया

Arattai लॉन्च होते ही डाउनलोड चार्ट में तेजी से ऊपर पहुंचा। कुछ ही दिनों में लाखों यूज़र्स ने इसे इंस्टॉल किया और सोशल मीडिया पर भी इसकी खूब चर्चा होने लगी। यूज़र्स का कहना है कि ऐप का इंटरफेस बेहद आसान और आकर्षक है, जिससे इसका इस्तेमाल करना बेहद सहज लगता है।

इसके अलावा, इसका बड़ा फायदा यह है कि यह ऐप हल्का है और ज्यादा स्टोरेज नहीं लेता। यहां तक कि लो नेटवर्क एरिया में भी यह वॉइस और टेक्स्ट मैसेजिंग को आसानी से सपोर्ट करता है।

भारतीय टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम मे नंई क्रांति

Arattai सिर्फ एक ऐप नहीं, बल्कि यह भारत की **डिजिटल आत्मनिर्भरता** की दिशा में बड़ा कदम है। यह ऐप दिखाता है कि भारत की कंपनियां भी ग्लोबल स्टैंडर्ड का प्रोडक्ट बना सकती हैं। श्रीधर वेम्बू लंबे समय से ग्रामीण भारत से काम कर रहे हैं और उनका यह प्रयास साबित करता है कि बड़ी तकनीकी क्रांतियां सिर्फ महानगरों से ही नहीं, बल्कि गांवों से भी निकल सकती हैं।

आनंद महिंद्रा का इस ऐप को समर्थन करना यह भी दर्शाता है कि भारतीय उद्योगपति अब स्थानीय नवाचारों को प्रोत्साहन देने के लिए आगे आ रहे हैं। यह समर्थन Arattai को न सिर्फ भारत में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाने में मदद करेगा।

भविष्य की संभावनाएं

Arattai अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन इसकी गति देखकर कहा जा सकता है कि आने वाले समय में यह भारत के डिजिटल इकोसिस्टम का अहम हिस्सा बन सकता है। कंपनी इसे लगातार अपडेट कर रही है और नए फीचर्स जोड़ रही है। यदि यह ऐप लगातार अपनी सेवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा को बनाए रखता है, तो यह निश्चित रूप से वॉट्सऐप जैसे वैश्विक ऐप्स के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

श्रीधर वेम्बू का Arattai ऐप भारत के डिजिटल भविष्य की दिशा में एक साहसिक कदम है। यह न सिर्फ लोगों को एक नया मैसेजिंग प्लेटफॉर्म देता है, बल्कि यह दिखाता है कि भारत अपनी तकनीकी क्षमता से दुनिया को चुनौती दे सकता है। आनंद महिंद्रा जैसे उद्योगपति का साथ मिलने के बाद अब Arattai की विश्वसनीयता और बढ़ गई है।

अगर आने वाले वर्षों में भारत अपनी डिजिटल आत्मनिर्भरता को और मजबूत करना चाहता है, तो Arattai जैसे नवाचारों को समर्थन देना बेहद जरूरी होगा। यह ऐप आने वाले समय में 'देसी वॉट्सऐप' से आगे बढ़कर वैश्विक मंच पर भारत की ताकत का प्रतीक बन सकता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.